बाप के दिल पर चढ़ना तो
बाप से सच्ची दिल रखो
सर्विस कर दूसरों का कल्याण करो
जो होते देहि-अभिमानी,बाप से लव रखते
उनकी चलन रॉयल होती,हर कदम श्रीमत पर चलते
शीतल होते,भगवान् हमें पढ़ाते यह नशा रखते
बाप का स्नेही बनना तो बहुत मीठा बनना
निरहंकारी बन सेवा कर सर्विसिएबल बनना
पढ़ाई और बाप को छोड़ना माना मनहूस बनना,
आपघाती व् महापापी हो जाना
मैं पन अर्थात माया का गेट खुला
निमित्त समझा माना माया का गेट बंद हुआ
सफलता मिलती जब त्रिकालदर्शी हो कर्म करते

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!